

घंउ

४०

४०

३७

३४

३०

२५

१८

१२

निजाननुतिनरासिउ जो नया दुरासिमाहासो धनु दुरासिउ जो नया तलवाट दुरासो धनु नतरा  
सिउ जो नया वाफ माहासो धनु नवतिसले गुननुद सले जागहालनु आयो अंउ जाननु आयाः  
अंउ जोरनु अशुद्ध फलले गुननुद सले जागहालनु पुनसाठिगुननुद सले जागहालनु घटि  
आया पला ल्यावनु घंउ माहा जोरनु तवद सले जागहालनु क्रांति आयो ॥ अथ अथनवलगर  
नु ॥ क्रांतिसरधि ॥ क्रांतिलाइ पात्त पै ५ ले गुननु तवचारले जागहालनु आयो फल जाननुतिः  
सजोरनु सो धनु उत्तर क्रांति दक्षिण क्रांति विचार गरनु सूर्य जोम बृहस्पति शुक्र उत्तर क्रांति ज  
यातिसजोरनु दक्षिण नया सो धनु चंद्रशनि उत्तर नया शो धनु दक्षिण नया जोरनु बुध सदा जो  
रनु अथनवल जयो ॥ अथ चेष्टावल गरनु ॥ मध्यास्फुटै ॥ मध्यामास्फुट जोरनु जोमादिका शीघ्र  
माहासो धनु मंगल बृहस्पति शनि सूर्य कोम मध्यमा उच्च हो शुक्र को बुध को मध्यम हो जाननु दुरा



सिउ मोहातवाडमाहासोधनुतिसलेगुननुतिनलेजागहालनुकुजादिवेष्टावलजयोचंडमाको  
 वलयक्षवलकोहोसूर्यकाश्रयनवलकोहोचेष्टावलजयोश्रयनचेष्टाद्वयोयोगेचेष्टावल॥  
 सूर्यादीनांषडवलैक्याति॥श्रवमावट्टिगृहकाजसोगननु॥ ॥स्फुटानितन्नादिजाववला  
 निगरनुजुगतितन्नादिजावकारासिकोस्वामिजोक्षडवलतसकोविलराषनुपायग्रहकिट्ट  
 छिसवैजोरनुबुधपायसंगजयापायहोतवचार४लेजागहालनुतवघटाइदिनुशुनग्रह  
 किट्टछिसवैजोरनुचार४लेजागहालनुतवजोरिदिनुनररासिजयासतउजावमाहासोध  
 नुतन्नादिजावजसकोगरनुकृतसैकोविचारगरनुजलरासिजयादसमजावमाहासोधनुपः  
 शुराशिजयाचेष्टाजावमाहासोधनुकिट्टरासिजयालग्नमाहाशोधनुतवद्वरसिउजोहोतव  
 डमाहारवोधनुतवतिसलेगुननुतिनलेजागहालनुतवजोरनुजोजावसोधनुह्रनरजलयशु

किट्टउहिजयाशुननयोपुनबुधकिट्टस्यतिकिट्टछिसवैजाननुसवेयाहायोरनुकननि  
 जाननुतन्नादिजाववलानिस्फुटानि॥श्रवचेष्टारस्मयगरनुजगति॥रसघ्ने॥चेष्टावलः  
 राषनुतवक्षय६लेगुननुएकजोरनुसूर्यादीनांचेष्टारस्मयजयोजाननु॥श्रवमुच्चर  
 स्मयगरनुनेनुगति॥मुच्चवलराषनुक्षयलेगुननुएकजोरनुसूर्यादीनांमुच्चरस्मयन  
 योजाननु॥चेष्टोच्चवी॥श्रवइष्टकष्टगरनुजगति॥चेष्टावलमुच्चवलदुइजोरनुदुइश्ले  
 जागहालनुइष्टजयोजाननुउसैलाइसा६०हिमाहासोधनुकटजयोजाननु॥इष्टकटः  
 जयो॥ ॥त्राल्यरमि॥श्रवचेष्टागुनकगरनुगति॥सूर्यादीचेष्टारस्मयराषनुतवति  
 नरासिउजोहोतदुइश्लेजागहालनुतवतिस३०घटाइदिनुतवचेष्टागुनकजयोतवति



नरासिउ वोहोतचार ४ र ले जाग हालनु पंदा १५ जोरनु चेष्टा गुन क जयो ॥ यहि प्रकार गरि सूर्या  
 दीमुख गुन क गरनु ॥ अव सूर्या दीना स्युट गुन का गरनु जु गति ॥ तुंग चष्टि क गु रौ ॥ चेष्टा गुन  
 का मुख गुन का वध मुल गरि गुन नु वचे मुल ज न्या को चेष्टा ले मुख लाइ गुन्या वनि मुख ले चे  
 ष्टा लाइ न्या पतिर कै होगे मुख गरि गुन नु त वक्षिष को ठा गरनु उ पत्ता माहा पथ म अंक प  
 थम को ठा रा व नु दु तिय अ क दु तिय को ठा दु तिय अं करा व नु त्रितिय को ठा माहा त्रितिय अं करा  
 व नु क जाननु य सिना ति गरी गुन नु 

|    |    |    |
|----|----|----|
| २  | ३५ | ३० |
| २  | २  | २  |
| ११ | १७ | १७ |

 त व सा ठि जाग हालि उ पत्ता माहा जोरनु  
 उ अंक तत्ता माहा जोरनु त व उ पत्ता 

|    |    |    |
|----|----|----|
| ११ | १७ | १७ |
|----|----|----|

 माहा जोरनु तत्ता माहा सा ठि जाग  
 हालि उ सै माथिका अंक माहा जोरनु 

|    |    |    |
|----|----|----|
| ४६ | ४६ | ४६ |
|----|----|----|

 त व उ अंक तत्ता माहा जोरनु उ पत्ता अंक

माहा जोरनु त व सा ठि जाग हालि माथि जोरनु त व उ सै माहा सा ठि जाग हालि माथि जोरनु त  
 व ते तिसै ज न्या को उ सै ले उ सै लाइ गुन्या को सै तो मूल हो द्विष्टि गुणिता मूल सै लाइ सा ठि ले गुन  
 नु पत्ता चढाइ दिनु पुन सा ठि गुन नु पत्ता चढाइ दिनु ॥ तत्ता का त्ता द्विष्टि माहा ॥ एति अंक दुइ वे र श  
 ठि गुन्या का जाननु विषय आदि अंक हो सम दु तिय हो जाननु विषम दे वि जाग हालनु आयो अल  
 जाननु तिसो धनु सति ज न्या को उ सै ले उ सै लाइ गुन्या को मूल लाइ दुइ ले गुन नु दुइ अंक जया  
 एक मूल माहा जोरनु य कै जया पुढे रा व नु त व उ सै ले जाग हालनु आयो मूल संग रा व नु ति  
 सो धनु आया अंक दुइ गुन नु उ सै ले जाग हालनु मूल संग रा व नु तिसो धनु आया अंक लाइ  
 दुइ ले गुन नु सै पत्ता इ १ क जोरनु त व सा ठि ले गुन नु मूल का अंक माहा दुइ २ जोरि जाग हाल  
 नु मूल लाइ दुइ ले जाग हालनु त व त सै लाइ सा ठि जाग हालनु त व सूर्या दीना स्युट गुण क ज



योजाननु॥ अवभाप्रगुनकगरनु॥ स्वकीयवर्गे॥ अवगृहमाहायकसकायरवस्यारुत्ततसे  
 कोविचारगरनुस्वगृहिनयायति॥ ६ मित्रजया॥ ३ समजयायति॥ ५ अविमित्रजयायति॥ ५ श  
 त्रुजयायति॥ ५ अविशत्रुजयायति॥ ३ गृहकाश्रंकलाइडुइलेगुननुतवसवैजोरनुसमजयाय  
 तिलेजागहालनु॥ १२ मित्रजयायतिले जागहालनु॥ ६ समजयायति॥ २४ शत्रुघनजयायति  
 ३६ अविशत्रुजयायति॥ ४६ आफनादेकानजयाआफनानवांसकजयावर्गेत्तमजयावाड  
 ले॥ १२ जागहालनु॥ स्यादाश्रया॥ तवतिनले॥ ३ जागहालनुतवसाठिलेगुनतिन॥ ३ लेजागहा  
 लनुपुनः साठिगुननुतिनले॥ ३ जागहालनुमाश्रयगुनकहोजाननुअरुअंककहिलेजेनन  
 नूजाननुआफनादेकाननयानवांसकनयोवर्गेत्तमजयाकिमित्रजयाअविमित्रजय  
 शत्रुजयाअविशत्रुजयाचारमाहायकजयायतिपललितुमित्रघरजयायति॥ ६॥ ४५ः

जेअनुतिनलेजागहालपामाहाअविमित्रजयायति॥ २६॥ ३० शत्रुघरजयायति॥ ५॥ ४५ अवि  
 शत्रुजयायति॥ ६॥ ३० चारमाहायकयोगजयापनियहियललितुचारयोगमाहायकेयोग  
 पतिनजयाइयोगनयेनजाननु॥ ॥ सूर्यादीमाश्रयगुनकजयोजाननु॥ ॥ सूर्याश्रयात॥ अ  
 वकर्मयोग्यगुनकगरनुगति॥ स्फुटगुनकमाश्रयगुनकवचमुलगरनु॥ नसोगरिस्फुटगुन  
 कजयोउहियकारगरिगुननुज्ञाननुसूर्यादीकर्मयोग्यगुनकजयोजाननुअवअंसायुगरनु  
 जुगति॥ सूर्याकीताकालस्फुटराषनुतवरासिलाइति॥ ३० गुननुपुनसा६० ठिगुननुतवइअंकः  
 २४०० सोधनुजेसेषकुरासिहोडुनुतवलग्नमाहायहसोधनुकुरासिउजेनयाचक्रार्धहनिः  
 नयेनननिजाननुसधराशिउधोहेतचक्रार्धहानिजयोजाननुतवयकरासिउजेहोतरासिला  
 इतिस३० लेगुननुपुनः साठिगुननुघटिचढाइदिनुपुनः साठिगुननुपलाचढाइदिनुतवति



सलाइ जागहालनुतिसलाइइवेरसाठिगुननुतवयोआयोयतराघनुतवयकराघटिहोतः  
 तिसलेलग्नमाहायहसोधाकोरुतसलाइजागहालनुफलल्यावनुशुनयहकोनयाअधालि  
 नुपापयहकोनयासवइलिनुतेहिसाठिमाहासोधनुतवगुनकनयोजाननुतवअधिचौवि  
 ससयघटाइराधाकोजोकरुतेसैलाइगुनकलेगुन्यापनिगुनकलेतेसैलाइगुन्यापनियकैहो  
 जाननुगोमुत्रगरिगुननुचक्रार्धहानिनयासूर्यादिसर्वग्रहकोजाननुचक्रार्धहानिननयाकर्म  
 योग्यगुनकलेगोमुत्रगरिगुननुअंशागरिघटिगरिचौविसयघटायाकालाइगुननुसूर्यादिल  
 ग्नलाइपनिअवशनुधरनयात्रि३जागहिनगरनुमंगलक्षोडिकन॥अवअस्तका नयाअधहा  
 निगरनुशुक्रशनिक्षोडिकनाअवलग्नमाहायायग्रहनयाउच्चघटायाकोरुसिउधउजोवि  
 चारगन्याकोचक्रार्धहानिविचारगन्याकोशुक्रकोविचारगन्याकोअस्तविरारगन्याकोपचमलः

ग्नरासिंक्षोडिअंसाघटिपलाराघनुविचारगन्याकोग्रहजोकरुसोइइठाउराघनुगुनकइइइगोमु  
 त्रगरिगुननुतवतिनसयशाठि३६०लेजागहालनुगुनसाठिलेगुननुजागहालनुअंशाघटि  
 पलाल्यावनुशुनयहलेलग्नमाहाइदेधाकोनयाआधानदेधातकोनयासवैविचायोकरुतसमाहाः  
 सोधनुअवआफनाआफनागुनकलेगुननुअंजाननुअवइपिङ्गुकागुनकजाननुसूर्यका१९इन  
 अंकलेगुननुचंद्रकाइअंक२५जोमकाइअंक१५बुधकाइअंक१२बृहस्पतिकाइअंक१५शुक्र  
 काइअंक२१शनिअरकाइअंक२०इनअंकलेगुननुतवतिनसयसाठि३६०जागहालनुतव  
 र्धमासदिनघटिपलाल्यावनुपिङ्गुयुनयोजाननुअवनिसर्गायुकोगुनककरुसूर्यकागुनकः  
 यति२०चंद्रकायति१मंगलकायति२बुधकायति१२बृहस्पतिकायति१६शुक्रकायति२०शनिः  
 अरकायति५०अरुसवैयकैहाजाननुअवसर्मायुगलयलाइचक्रार्धहानिइदैनननिजाननु॥



दुइसयले जागहालि वर्षमासदिनघटि पलासूर्यादियह किल मलाइ यहि जाति गरिल्या वनुषउ  
 वलगाहा छरासिउ जो लग्नहुत पथम लग्नकारा सिवषमा हा जोरनु ॥ अंसा घटि पलाला इ दुइ २  
 ले गुननु पाच ५ ले जागहालनु यासदिन घटि पलाल्या वनुत वजोरनु छरासिउ धो छतडु इ स  
 यले जागहाल्यो जो क्षते हि भयो जाननु असायु न योजानु ॥ अवयि जायु निसर्गयु गरनु जुगति  
 ॥ उच्चै नही नः ॥ र | चं | मं | बु | व | शु | श | उच्च सो धनुत व छराउ धो नया वडु माहा सो धनु छरासि  
 उ जो नया उहि न 

|    |    |    |   |    |    |   |
|----|----|----|---|----|----|---|
| १० | १  | ५  | ५ | ३  | ११ | ६ |
| ३  | २६ | १५ | ५ | २३ | २० |   |

 यो तव तिसले गुननु तव चक्रार्धहानि नया घटाइ दिनु  
 लग्नमाहाय ह सो धनु छरासिउ जो नया चक्रार्धहानि नये न जाननु छरासिउ धो नया न योजान  
 नु ॥ एक १ रासिउ जो होत सो धा को सेष जो छत सले तिस ३० लाइ जागहालनु। सेषलाइ तिस ३०

१०

ले गुननु साठिले गुरानु पुन साठि गुननु ॥ तिसलाइ यनिसाठिले दु २ वेर गुननु १ कासिउ धो छत  
 तिसले जागहालनु सेषलाइ जाननु ॥ फल आया को छ न को दु २३ ले जागहालित्या को पाप को यो  
 उहि शुन को आधा ते हि सा ६० माहा सो धनु ते हि गुन क न योजाननु तव गो मुत्रिमरि गुननु गुन कः  
 याह उच्च घटाइ छरासिउ धो उ जो विचर गति राया को अंशा गन्या को जो छरनु जुगति अवचक्रार्धः  
 विचारनु शत्रु विचारनु अस्त विचारनु लग्नमाहा पापयह नया विचारनु तव उ विचर गन्या को पृथ  
 क राषनु तव एकाला इ इ न अंक २१ ले जागहालनु वर्षमासदिन घटि पलाल्या वनुत वयो पृथक्  
 गन्या को छत सलाइ इ न अंक ८ ले जागहालनु घटि पलामा हा जोरनु छ जाननु जिवसर्मायु न योः  
 जाननु अव लग्न को दशावर्ष गरनु जुगति लग्न राषनु रासिमे टि दिनु अंसा लाइ साठि गुननु तव इ  
 अंक २०० वर्षमासदिन घटि पला आया जाननु पिडा यु निसर्गयु जिवसर्मायु को लग्न को ये कैः



हो जाननु॥ ॥ अवदशाक्रमवलगुरनुजुगतिषडवलजाववलगेमुत्रगरिगुननुदशाक्रमनः  
 योजाननुतवमंशायुदसाक्रमवलनयोजाननुषडवलमाहालगनकोविचारगरनुतवकेड  
 काग्रहजतिनयातनकिदशाअधिमंसायुदशाक्रममाहाजोवलियोक्तशकोअधिजाननुः  
 पनकरमाहाग्रहनयावाहायक्षिआयोकिममाहाग्रनयायक्षिवाटनयाजाननुलग्नकोषड  
 वलमाहाविचारनुतवलग्नवलीयोनयाअंशायुकोयमामयुगहुजाननु॥ अंशायुनयोजान  
 नु॥ अतअरुकोदशाक्रमवलगरनुजुगति॥ षडवलमाहाचारकोजाग४हालनुयुनसाठिगु  
 ननुचारले४जागहालनुयुनसाठिगुननुफिरिचारकोजागहालनुतोग्रहमाहाराषनुतवत  
 सैकोआधागरिहोरामाहाराषनुदेकानसप्तजागनचासकमाहाराषनुग्रहकोजोआयाको  
 क्षतसकोआधाहोरादेषित्रिशासकसमातेहिराषनुतवग्रहकास्वामिकोविचारगरनुजोग्र

११

हकोस्वामिजोक्तकोषडवलरचारलेजागहालिग्रहमाहाजोराषाकोक्षतिडइगोमुत्रगुंननु  
 तवग्रहमाहातेहिराषनुअवहोरादेकानसप्तजागनचासकद्वादशांसकत्रिशांसकइनको  
 जोस्वामिक्तसैकोषडवलरचारलेजागहाल्याकोतसैकोआधागन्याकोहोरामाहाराषाको  
 होराउधोसवैकोएकैहोअवयोरहोराकोस्वामिजोक्तसैकोषडवलगेमुत्रगरिगुननुसाठि  
 जागहालनुसोहोरामाहाराषनुअतकाजोआधागन्याकोक्षदेकानमाहासप्तजागमाहानः  
 वांसकमाहाद्वादशांसकमाहात्रिंशांसकमाहाजोराषाकाक्षसोहोराआदिकोस्वामितसकोः  
 षडतलगेमुत्रगरिगुननुसाठिजोगहालनुहोरादिराषनु॥ तवसवैजोरनुतवदशाक्रमवलन  
 योजाननु॥ ॥ सूर्यागिलग्नसम्पयकैहोजाननुसवैको॥ ॥ अंशायुमाहाअधिलग्नकोदशा  
 धिंशायुमाहाअधिसूर्यकोदशानिसर्गयुमाहाअधिवंदकोदशा॥ अवकेडकाअधिवाहायक्षि



पनकरकावाहापक्षिआयोकिमकादशाक्रममाहाजोवलियोक्तसैकाअधि॥अवमिस्त्रायुग  
 रनुतवअंशायुकायुतवर्षलाइलग्नकावललेगुननुपिडायुकायुतवर्षलासूर्यकाषडवलले  
 गुननुनिशगायुकायुतवर्षलाइचंद्रकावर्षलेगुननुतवगोमुत्रगरिगुननुतवमाकअंकडुं  
 कून्यावर्षलाइवाकलेगुननुमासचढाइदिनुफिरितिसलेगुननुदिनचढाइदिनुतवति  
 नअंकडुंजाननुतवतिगुन्याकातिनइकायकाढाउजोरनुतवतिनवलजोरिजागहालनु  
 तवतिननपनिजागहालनुमिथ्याअयुजयोअवयकमतयसोहा॥अकोमतपनिहजाननु  
 तवअंशायुकायुतवर्षपिडायुकायुतवर्षनिसर्गायुकायुतवर्षइतिनकावर्षजोरनुतवति  
 नलेजागहालनुमिआयुकावर्षजयाजाननु॥अवअंतदशागरनुजुगतितवजसकोदशा  
 तसकोअंतरजयायति॥१उसैमाहाअरुजयायति॥२नवपाचउजयायति॥३सातउजया

१२

ति॥७अष्टमचौधोजयायति॥४अन्योन्यहारगरनु॥मनिवाटतल्यात्रंकराघनुउसैयायिका  
 इगुननआधिनअरुलाइसवैलइगुननुसवैलेउसैगरिगुननुतवयायिकासवैराघनुउजोका  
 टिहालनुजसकोदशाकृतसैकोअधिउसैसंगयहजयाउसैकावाहापक्षित्रिकोतिकावाहा  
 क्षिसप्तमकावाहापक्षिचौथारआठउकाजाननुयल्लिकाअंकलेजसकोदशाकृतसैकाव  
 लाइगुननुदोआलाइदोआलेगुननुतेआलाइतेआतगुननुयसैयुकारहोजाननुजोगुनक  
 कृतसवैजोरिजागहालनुवर्षमासदिनघटिपलासवैल्यावनुअंतरजयासवैजोयकोहोजा  
 नु॥॥अवयाकदशागरनुजुगति॥शकादिकेमध्य॥सककालराघनुपरमधामाराघनुतव  
 सकोदशागरनुकृतवसककालमाहावर्षजोरनुपरमासदिनघटिपलाजोरनुतवपृथक  
 अनुतवतेदू१३गुननुतवइनअंक८९०लेजागहालनुमाघिजोरनुतववाहापक्षिदिनगन



गोरनुतवउसदिनकोमध्यासजयोजाननुतवदिनगनमाहासातलेसेषगरनुवारनयोजाननु  
 दिनगननयोजामासजयोजाननुतवदिनगनमाहासातलेसेषगरनुवारनयोजाननु  
 वमकरंदकामध्यामागरनुतवशुद्धनयोकिजयेनजाननुतवज्यावारहोज्यालगनहोज्या  
 धिहोतवेरकायहथापनुयाकदशाजयोजाननु॥पिडाचुजिवसर्मयुकाश्रुयकारक्षजान  
 नु॥होरासाहाडेक्षानमाहाश्रुयकारदाजाननु॥पथमहोराजयापथमश्रंकदुतियहोरा  
 नययायति॥दुतियहोराजयाहोरादेविष्टकासौ॥प्यालगनजयोहोरासाहाराघनु॥श्रवडे  
 तानकोविचारपथमडेक्षाराजयापथमहोजाननु॥दुतियडेक्षाराजयाराक्षिदेविष्टति॥२॥  
 द्वेतिथजयारासिदेविष्टति॥इतिडेक्षानविचारा॥॥जिवसर्मयुकामाहदशागरनु॥दिनन  
 म्याकेजयापथमसूर्यकोदशाजाननु॥रात्रिजन्म्याकोजयापथमशुक्रकिदशा॥दशाजाननु॥